ARYAN

Physical Characteristics शारीरिक विशेषताएँ

1. एकाग्रता की कमी (Lack of Concentration)

ऐसे बालकों की में एकाग्रता की कमी होती है, कारण यह अपना ध्यान किसी एक चीज पर नहीं लगा पाते, अगर यह पढ़ाई करते हैं, तो इन्हें पढ़ाई में परेशानी होती है, जिस कारण इनका पढ़ाई से धीरे-धीरे ध्यान हटता जाता है, और यह अपना ध्यान किसी अन्य चीजों में लगाना चाहते हैं, पर वहाँ पर भी यह ध्यान केन्द्रीत करने से वंचित रहते हैं, जिस कारण इनका स्वभाव में परिवर्तन देखा जा सकता है।

2. कक्षा में अत्याधिक बातुनी होना (More talkitive in class)

ऐसे बालक अत्याधिक बातुनी होते हैं, क्योंकि इन्हें अपने ~~अपने~~ दिमाग पर से किसी ना किसी कार्य को करने में असमर्थ होते हैं, तो अपना भाव वह बात-चीत या अन्य

कार्यों में व्यस्त करके बीताते हैं, जिससे वह अपने भाव को कुछ ना कुछ बोल कर व्यक्त करता है, जिससे वह अपने आस - पास के माहौल को अशांत कर देता है।

3. पैर या हाथ को चलाना या हिलाना (Tapping of finger or feet)

यह बच्चे अपने अशांत मन को व्यक्त करने के लिए पैर या हाथ को हिला कर अपनी भावना व्यक्त करता है। ऐसे बालक अपने दिमाग की स्थिति को व्यक्त करने तथा अपनी असहजता व्यक्त करता है, इस क्रियाकलाप द्वारा।

4. उछल - कूद करना (Jumping Out of Seat)

ऐसे बालक अपने - आप को व्यस्त रखने के लिए उछल कूद करते हैं, तथा एकाग्रता की कमी की वजह से यह शांत नहीं रह सकते।

5. तुरंत - तुरंत कार्य परिवर्तन करना (Skipping from task to task)

ARYAN Page No. Date

ऐसे बालक किसी एक कार्य पर स्थिर ना रह कर तुरन्त - तुरन्त कार्य परिवर्तन करते है, अथ और एक कार्य पूरा किए बगैर दूसरे कार्य को हाथ लगा लेते है।

4. संप्रेषण विशेषताऐं (Communicational Characteristics)

1. साधारण वाक्य निर्माण में असमर्थता
Reliance on Simple Sentence Constructions.

ऐसे बालक साधारण वाक्य निर्माण में असमर्थ होते है, क्योंकि ~~वाक्य~~ शब्दों एवं अक्षरों को लेकर इनमें असहजता होती है।

2. सही वाक्यों का प्रयोग ना कर पाना
Incorrect use of word given in its context.

ऐसे बालक साधारण वाक्यों एवं शब्दों का प्रयोग सही एवं साधारण जगह पर नहीं कर पाते है।

जैसे स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग , बड़ा एवं छोटा में अन्तर इत्यादि ।

3. व्याकरण अशुद्धता का पाया जाना
Problems with tense, pronouns possessive and negatives.

ऐसे बालक व्याकरण अशुद्धता को सुधार नहीं पाता है और साधारण वाक्यों का प्रयोग भी नहीं कर पाता है, जिस कारण वह काल वचन, एवं सामान्य व्याकरण को नहीं सुधार पाता है।

4. वाक्यों को अधूरा छोड़ना (omission of words and word ending)

ऐसे बालक वाक्यों को पूरा नहीं कर पाते हैं, क्योंकि वाक्य निर्माण एवं वाक्य के अर्थ को समझ पाने में असमर्थ होते हैं। जैसे - राम घर . में खाना इत्यादि

5. वाक्यों को अलग तरह से प्रयोग में लाना

Insertion of extra words and word parts in their sentences

ऐसे बालक किसी साधारण वाक्य को बिना समझे या अलग तरह से समझ कर उस वाक्य के सही अर्थ को निरर्थक बना देता है, क्योंकि इन्हें वाक्यों एवं शब्दों के प्रयोग की विधि सही तरीके से नहीं मालूम होती है।

6. अजीब भाषाओं का प्रयोग करना

Awkward Organisation of Spoken and writting language.

ऐसे बालक अजीब भाषाओं एवं का प्रयोग बोलने एवं लिखने में करते है, जो निरर्थक होते है।

7. जोड़बन्दी का अभाव (Articulation difficulties)

साधारण शब्दों का जोड़बन्दी में करने में असमर्थ होते है जैसे तला - मला, -चलना - फिरना

इत्यादि शब्दों का प्रयोग नहीं कर पाना।

8. मौखिक निर्देशनों को पालन करने में असमर्थता (Trouble olo following Oral direction)

ऐसे बालक किसी के द्वारा दिए गए मौखिक निर्देशन को नहीं समझ पाते हैं। साधारण मौखिक निर्देशन को समझने में असमर्थता ज्ञान एवं दिशा निर्देशन के अभाव की वजह से होता है।

9. पूछे गए सवालों को सही तरीके से समझने में असमर्थता (Difficulties in responding to formulating questions.

ऐसे बालकों को साधारण सवालों को सही जवाब देने में भी कठिनाई होती है। जैसे किस विद्यालय में पढ़ते हैं? कितने उम्र के हैं? इत्यादि

10. नए - नए शब्दों को ढूँढने / प्रयोग करने में असमर्थता (May have word finding problems)

शब्द भण्डार की कमी एवं उन्हीं वाक्यों का प्रयोग करना इनके लिए बहुत कठिन कार्य होता है, जिस कारण यह किसी पढ़ाई में भी नए शब्दों को ढूँढने एवं प्रयोग करने में असमर्थ होते हैं।